विलियम जेम्स " प्राणी के पूर्वकृत व्यवहारों की पुनरावृत्ति आदत है।"

लैडेल के अनुसार– " आदत कार्य का वह रूप है, जो आरम्भ में स्वेच्छा से और जान-बूझकर किया जाता है। पर जो बार-बार किये जानें के कारण स्वतः होता है।"

मरसेल के अनुसार " आदतें, व्यवहार करने की और परिस्थितियों एवं समस्याओं का सामना करनें की निश्चित विधियाँ होती हैं। "

आदतों के प्रकार
(KINDS OF HABITS)

आदतें अच्छी तथा बुरी – दोनो प्रकार की होती हैं। इनका सम्बन्ध – जानने, सोचनें, कार्य करने तथा अनुभव करने से होता है।
ये निम्न प्रकार की होती हैं।

1- ~~यान्त्र~~ यान्त्रिक आदतें – (Mechanical Habit)
इसका सम्बन्ध शरीर के विभिन्न गतियों से होता हैं, और हम इनको बिना किसी प्रकार के करते हैं। जैसे- कोट के बटन लगाना, जूते के फीते बाँधना।

2 शारीरिक अभिलाषा- सम्बन्धी आदतें- इसका सम्बन्ध शरीर की अभिलाषा की पूर्ति से होता हैं। सिगरेट पीना, पान खाना आदि।

DATE

3- नाड़ी मंडल सम्बन्धी आदतें — इसका सम्बन्ध मस्तिष्क से होता है। जिस प्रकार दूसरे लोग बोलते हैं। ये व्यक्ति के समवेगात्मक असन्तुलन को व्यक्त करती हैं। जैसे नाखून, या कलम चलाना

4- भाषा सम्बन्धी आदतें — इसका सम्बन्ध बोलने से होता है। जिस प्रकार से दूसरे लोग बोलते हैं, उसी प्रकार बोलकर हम आदतों का निर्माण करते हैं, यदि शिक्षक शब्द का गलत उच्चारण करता है। बालकों में वैसी ही आदत पड़ जाती है।

5- विचार सम्बन्धी आदतें (Habits of ~~Feeling~~ Thought) इसका ~~सम्बन्ध~~ सम्बन्ध आंशिक रूप से व्यक्ति के ज्ञान और आंशिक रूप से, उनकी ~~रुचियां~~ रुचियों एवं इच्छाओं से होता है। जैसे- समय- तत्परता, तर्क, कारण सम्बन्धी विचार

6- भावना सम्बन्धी आदतें — (Habits of Feeling) इसका सम्बन्ध व्यक्ति की भावनाओं से होता है। जैसे — प्रेम, घृणा, या सहानुभूति की भावना।

7- नैतिक आदतें — (Moral Habits) इसका सम्बन्ध नैतिकता से होता है, जैसे — सत्य बोलना, पवित्र जीवन व्यतीत करना,

मनोवृत्ति का अधिगम
(LEARNING OF ATITTUDE)

मनोवृत्ति के द्वारा अधिगम को समझने से पहले मनोवृत्ति को समझना आवश्यक है।

मनोवृत्ति - (ATITTUDE) मनोवृत्ति शब्द लैटिन भाषा के Abtus शब्द से उत्पन्न, इसका अर्थ योग्यता या सुविधा मनोविज्ञान में अभिवृत्ति का महत्वपूर्ण स्थान अभिवृत्ति का अनुभव किया जाता हैं इसका सम्बन्ध अनुकूल या प्रतिकूल प्रभाव से है। यह एक मानसिक दशा है जो सामाजिक व्यवहार की अभिव्यक्ति करने की दशा हैं।

मनोवृत्ति की परिभाषायें :
(DEFINITIONS OF ATITTUDE)

1- जेम्स ड्रेवर (JAMES DREVER) "मनोवृत्ति रुचि और उद्देश्य की एक स्थायी प्रवृत्ति हैं जिसके एक विशेष प्रकार के अनुभव की आशा और एक ~~सर्व~~ उचित प्रक्रिया की तैयारी निहित हैं।"

2. न्यूकाम्ब (NEWCOMb) एक व्यक्ति की मनोवृत्ति किसी वस्तु की ओर कार्य करने को सोचने तथा अनुभव करने का उनका पूर्ण विन्यास हैं"।

मनोवृत्ति के प्रकार
(TYPES ~~NATURE~~ OF ATITTUDE)

सामाजिक मनोवृत्ति (SOCIAL ATITTUDE) समाज की उद्दीपक परिस्थितियों के कारण सामाजिक मनोवृत्ति का निर्माण होता हैं समाज का प्रमुख रिवाज तथा समूहों के विषय में विकसित धारणायें इसी मनोवृत्ति का परिणाम हैं।

DATE

2. विशेष व्यक्तियों के विषय में ~~धस~~ धारणायें - समाज में प्रमुख व्यक्तियों के प्रति विकसित धारणायें इसी मनोवृत्ति के कारण होती है।

~~...~~ विशिष्ट समूहों के प्रति - विशेष समूह, समुदाय, जाति, वर्ग, विद्यालय, खेलटीम आदि के प्रति विकसित धसयें धारणायें इसी कोटि में आती हैं।

मनोवृत्ति की प्रकृति
(NATURE OF ATITTUDE)

मनोवृत्ति मे तीन प्रकार प्रकृति पायी जाती हैं।

1- धनात्मक मनोवृत्ति - इसमें किसी भी सम्बंधित व्यक्ति, घटना तथा समूह के प्रति साकारात्मक दृष्टिकोण धनात्मक प्रकृति की मनोवृत्ति हैं।

2. ~~...~~ ऋणात्मक मनोवृत्ति - इसमें व्यक्ति समूह तथा घटनाओं के प्रति ऋणात्मक दृष्टिकोण पाया जाता हैं।

3. शून्य मनोवृत्ति - यह मनोवृत्ति न साकारात्मक होती हैं और न नाकारात्मक किसी भी प्रकार का कोई मनोवृत्ति किसी भी व्यक्ति समूह या घटना के प्रति न होना शून्य मनोवृत्ति कहलाती हैं।

मूल्यों का अधिगम
(LARANING OF VALUES)

मूल्यों का अधिगम हम निम्न प्रकार करते हैं।

DATE

मूल्यों का अर्थ :- "मूल्य किसी चीज या क्रिया के महत्व को दर्शाता है। एवं साथ ही उसका लक्ष्य निर्धारित करता है।

हम दैनिक जीवन में बार-बार मूल्य या मूल्यों की बात करता है। इन्हे हम आदर्श, उचित, विचार पसन्द का विचार या व्यवहार मानतें हैं। इन्हे हम अपने व्यवहार के मार्गदर्शक तत्व मानतें हैं।

मूल्यो की परिभाषा :-

1- अर्बन के अनुसार- मूल्य वह है जो मानव इच्छाओं की तुष्टि करें

2. एस० पी० कुलश्रेष्ठ :- मूल्य आचरण को संगठित, संगठित करने की प्रवृत्तियाँ हैं ये सार्थक, सिद्धान्त है जो मानव कार्यो के निर्देशित प्रारूपो का प्रभावक रूप से निर्देशित करते हैं।"

निशा शर्मा के अनुसार- "मूल्य ऐसा व्यवहार है। जिसकी हम दूसरे से अपने लिए अपेक्षा करतें हैं।

जे० एच० फिशर - "मूल्य एकता के साधन के रूप में कार्य करतें हैं।"

मूल्यो की विशेषताए

मूल्यों की नि० लिखि परिभाषाएँ होती हैं।

1- एक समाज में उसके मूल्य उचित या सार्थक मानें जाते हैं।

2. वे लोगो के समूह में माने जाते हैं। या शेयर किये जाते हैं।

3. वे सोचने या व्यवहार करने के प्रतिमानो या ढंगो में गम्भीरता से लिये जाते हैं।

DATE